मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 120, मुंबई, शुक्रवार, 17 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

अडानी इलेक्ट्रिसिटी का उपभोक्ताओं पर

अत्याचार

मीटर गुल

जनता की महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मांग, अडानी इलेक्ट्रिसिटी पर दर्ज हो एफआईआर

ऊर्जामंत्री नितीन राऊत के द्वारा बिजली न काटने का आदेश देने के बाद भी अडानी इलेक्ट्रिसिटी की मनमानी

adani™ Electricity

आम जनता परेशान

➔ मार्च महीने से लॉकडाउन लगने के कारण आम जनता बिजली का बिल नहीं भर पाई थी, लोग अपने गांव चले गये थे अब जैसे-जैसे लोग वापस मुंबई आ रहे हैं तो उन्हें पता चलता है कि अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने मार्च महीने का बिल न भरने के कारण अप्रैल महीने में बिजली का मीटर ऊखाड़ कर ले गये हैं, साथ ही 1200 का फाईन भी लगा दिया गया। अब बिजली का कनेक्शन वापस लगवाने के लिए लोगों को लॉकडाउन में हफ्तों दर-दर की ठोकरें खाने पड़ रहे हैं। सवाल है कि मार्च से सख्त लॉकडाउन लगने की वजह से आम जनता अपने-अपने घरों से बाहर नहीं निकल रही थी तो अडानी इलेक्ट्रिसिटी के आदमी लोगों के घरों का मीटर कैसे ऊखाड़ रहे थे? इतने सख्त लॉकडाउन में इन्हें लोगों के घरों का मीटर ऊखाड़ने का इजाजत किसने दी और कैसे मिला?

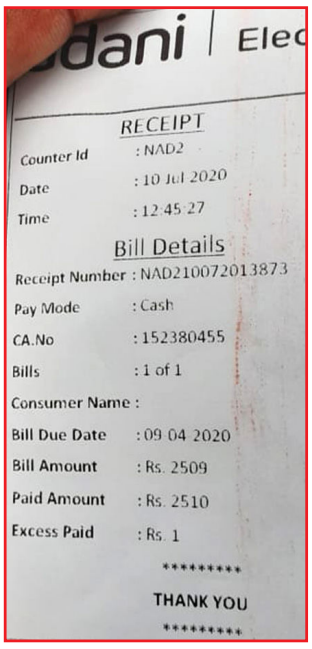

संवाददाता

मुंबई। देशभर में कोरोनावायरस का कहर जारी है। महामारी और ऊपर से लॉकडाउन, जिसकी वजह से देश की आर्थिक स्थिति को काफी नुकसान पहुंचा है। जिसके चलते धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है लेकिन इस बीच बिजली विभाग को लेकर काफी शिकायतें सामने आ रही है। बिजली विभाग द्वारा लंबे-चौड़े बिल का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। सामने आ रही शिकायतों के अनुसार बिजली विभाग अपने उपभोक्ताओं को मनचाहे तरीके से बिल भेज रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
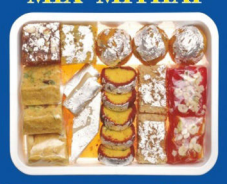
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

उम्मीद जगाते नतीजे

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 10वीं कक्षा के अच्छे परिणाम से जहां खुशी का संचार हुआ है, वहीं इससे अन्य छात्रों को बेहतर पढ़ाई की प्रेरणा भी मिली है। कुल 91.46 प्रतिशत छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 0.36 प्रतिशत बेहतर नतीजे रहे हैं। अब यह आश्चर्य की बात नहीं कि लड़कियों ने 93.31 के पास प्रतिशत के साथ लड़कों को पछाड़ दिया है। लड़कों के पास होने का प्रतिशत 90.14 रहा है। खास बात यह रही कि इस वर्ष 2.23 प्रतिशत या 41,804 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह बहुत सकारात्मक बात है कि 18 लाख विद्यार्थियों के बीच 1.84 लाख से अधिक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि 10 में से एक विद्यार्थी को 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल होने लगे हैं, यह कहीं न कहीं बेहतर होती शिक्षा की ओर एक इशारा है। एक अच्छी बात यह रही है कि सीबीएसई ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए इस वर्ष 12वीं और 10वीं, दोनों कक्षाओं के टॉपरों का एलान नहीं किया है। शिक्षाविद भी मानते हैं कि टॉपरों के एलान से लाभ कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। आज छात्रों के बीच चिंता का माहौल है, वे घरों में रहने को विवश हैं, उनमें अकेलापन, अवसाद और अन्य तरह की समस्याएं बढ़ी हैं। अतः आज शिक्षा बोर्ड को ऐसी कोई पहल नहीं करनी चाहिए कि छात्रों की बड़ी जमात में किसी तरह का असंतोष, दुख या अपमान पैदा हो। कोरोना के इस दौर में हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि 10वीं की परीक्षा ढंग से नहीं हो पाई है। अनेक विषयों की परीक्षा कोरोना के कारण स्थगित करनी पड़ी है। परीक्षा फिर लेने के प्रयास भी सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में, विद्यार्थी जिन विषयों की परीक्षा नहीं दे पाए हैं, उनमें उन्हें आनुपातिक रूप से ही अंक दिए गए हैं। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि परिणाम संपूर्ण नहीं है। यदि कोई छात्र परीक्षा रद्द होने से पहले तीन से अधिक विषयों की परीक्षा दे चुका था, तो उसे तीन उच्चतम प्राप्त अंकों के हिसाब से बाकी विषयों में अंक दिए गए हैं। इस व्यवस्था में उन छात्रों के साथ अच्छा नहीं हुआ है, जो तीन से कम विषयों की परीक्षा दे पाए थे। ऐसे विद्यार्थियों के परिणाम की गणना में आंतरिक, व्यावहारिक और परियोजना मूल्यांकन के अंकों पर भी गौर किया गया है। बेशक, परीक्षा परिणाम सामने हैं, लेकिन कामचलाऊ ही हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि कोरोना काबू में आएगा और दोबारा इस तरीके से मूल्यांकन की जरूरत नहीं रह जाएगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भी सामान्य शिक्षा, परीक्षा और परिणाम की बहाली बहुत जरूरी है। फिर भी एनसीईआरटी और सीबीएसई जैसी संस्थाओं को ऑनलाइन परीक्षा के पुख्ता तरीकों पर भी काम करना होगा। आने वाले दिनों में जो परीक्षाएं होंगी, उनका ढांचा कैसा हो, कैसे विद्यार्थियों का सही मूल्यांकन हो सके, इसके पैमाने चाक-चौबंद करने होंगे। आगे शिक्षा की चुनौतियां बहुत बढ़ रही हैं। शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करने ही होंगे। दसवीं और बारहवीं की अगली परीक्षाओं में अब छह-सात महीने ही बचे हैं। सुनिश्चित करना होगा कि आगामी परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों की संख्या में कोई कमी न आने पाए।

हमें एक ऐसी शिक्षा प्रणाली को बनाने की जरूरत है जो कौशल विकास पर जोर दे

देश-दुनिया में बदलते हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा की थी जिसके तहत उन्होंने व्यापक राहत पैकेज दिए जाने की भी बात कही थी। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश की जनता से -वोकल फॉर लोकल- होने की अपील भी की गई, जिसमें भारत की जनता बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती भी दिख रही है। मौजूदा समय में भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाले राहत पैकेज के द्वारा लघु एवं अन्य उद्योगों को सहायता प्रदान की जा रही है, परंतु उम्मीद यह भी है कि देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कारगर कदम उठाते हुए इस अभियान को सक्षम बनाने के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करे। इसके लिए भावी पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाने या फिर कहें कि आत्मनिर्भरता का अर्थ सिखाने की आवश्यकता है।

दरअसल मानव सभ्यताओं के किसी भी युग में घटनाओं के घटित होने के बाद ही क्यों उनके समाधान को ढूंढने के लिए हस्तक्षेप किया जाता है। घटनाएं तो अंदेशा पहले से ही देती हैं। यहीं से जोड़कर देखा जाना चाहिए, और शायद आत्मनिर्भर भारत के सपने को तभी ही पूरा किया जा सकता है। इस बात पर भी गौर करना होगा कि राहत पैकेज के जरिये हम समाज को कितनी दूर तक आत्मनिर्भरता की ओर ले जा सकते हैं। यदि आपकी दूरदर्शिता इसे लंबा सफर देखती है तो याद रखिए आप एक नए सह-संबंध को जन्म दे रहे हैं। आत्मनिर्भरता एक कला है जो किसी की मानसिक दशा के मजबूत ढांचे पर आधारित है। मानसिक ढांचे का रंगरूप देने का कार्य शिक्षा पर ही आधारित है। अपने आस-पास से मिलने वाली शिक्षा इंसान के भीतर एक नई ऊर्जा, धैर्य और संयम की स्थिति को पनपने की दर को तय करती है।

स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा का अर्थ समझाते हुए कहा था कि शिक्षा एक उपकरण है जो मनुष्य में पहले से ही मौजूद पूर्णता को पहचानने और उसकी प्राप्ति का काम करती है। अतः शिक्षा के द्वारा बच्चे में आत्मनिर्भरता को बढ़ाना आवश्यक है। विवेकानंद की दूरदर्शिता आज की शिक्षा पर सवाल करती है और प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान के सफल होने में एक सहयोग का काम करती है। आत्मनिर्भरता कैसे सिखाई जाए इसके लिए शिक्षा के मूलभूत उद्देश्यों को जानना जरूरी है। शिक्षा का मूलभूत उद्देश्य व्यक्ति को उसकी छिपी प्रतिभाओं से रूबरू कराना है और यह सिखाना है कि वह इन प्रतिभाओं को कहां और कैसे अपने जीवन के संघर्षों को चुनौती में बदल सफल हो सकता है। इसके लिए व्यक्ति को जीवन भर सीखने के लिए प्रेरित करना आवयशक है। अब जीवन भर सीखने के लिए भी एक प्रणाली है जो कि वर्ष 1993 से -आजीवन शिक्षा- के नाम से मशहूर है और जिसकी जड़ें वर्ष 1962 के समय से हैं। आजीवन शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें हर उम्र के व्यक्ति का विभिन संदर्भों में सीखने की प्रक्रिया वर्णित है। इसके अनुसार व्यक्ति केवल विद्यालय में ही नहीं, वरन घर, कार्यस्थल, क्रीड़ास्थल, अवकाश स्थल एवं कहीं भी सीखने की प्रक्रिया में रहता है। इस प्रणाली में मुख्य रूप से पढना, सुनना, लिखना, अवलोकन, प्रयोग एवं अभ्यास करना जैसे कौशलों पर काम किया जाता है। इन कौशलों का बच्चे में इतना विकास किया जाता है कि उसकी तमाम इंद्रियां आम दिनचर्या में भी इन कौशलों के जरिये नई नई चीजें सीखने लगती हैं। इसमें जानकारी और ज्ञान का अंतर बताते हुए प्रेरणा एवं प्रतिबिंब पर काम किया जाता है। परंतु आजीवन शिक्षा प्रणाली का उपयोग केवल विश्वविद्यालयों में अलग विभाग बनाने में एवं शोध करने में किया जाता है। लेकिन अफसोस कि इसका उपयोग कैसे हम अपनी स्कूली शिक्षा प्रणाली में करें, इस बारे में अब तक कोई ठोस शोध या हस्तक्षेप नहीं सामने आया है। और रही-सही कसर निकाल दी है हमारे प्राइवेट स्कूलों ने।

दरअसल लॉकडाउन की स्थिति किसी बडे संघर्ष से कम नहीं थी, लेकिन प्राइवेट स्कूलों द्वारा चलाई गई ऑनलाइन क्लासेज एक अलग ही युद्ध को आगाज दे रही हैं। यहां तो शिक्षा के मूलभूत उद्देश्य की धज्जियां ही उड़ती दिख रही हैं। छोटे बच्चों के लिए संचालित की जा रही ऑनलाइन क्लासेज को देखकर ऐसा लग रहा है कि इसका उद्देश्य किसी भी तरह से पाठ्यक्रम को बच्चे के दिमाग में ठूंस देने का है। सीखना-सिखाना तो दूर, इन सबसे बच्चों की शारीरिक व मानसिक स्थिति पर क्या असर पड़ने वाला है, यह तो आने वाले समय में पता चलेगा। साथ ही एक अन्य युद्ध का बिगुल भी बज चुका है, वह है इन ऑनलाइन क्लासेज के बदले आमदनी को किस तरह से कायम रखा जाए। यह तो अलग ही घटनाक्रम की तरफ जाता दिख रहा है। ऑनलाइन क्लासेज में प्राण झोंक कर पढ़ाने वाले शिक्षकों को ही उनकी नौकरी के जाने का डर उनके संयम को और अंत में उन्हीं की आत्मनिर्भरता पर सवाल खडा कर रहा है। तो फिर कैसे रोक पाएंगे आप अवसाद जैसी अवस्था में जाने से किसी को, जब शिक्षा देने वाला ही अपनी आत्मनिर्भरता की चिंता में डूबा है।

महिलाओं के स्वास्थ्य के अधिकार के साथ बच्चे को जन्म देने की उनकी स्वायत्तता के अधिकार का भी संरक्षण

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक महिला के 25वें सप्ताह की गर्भावस्था के बावजूद गर्भपात कराने की अनुमति दी है। न्यायालय ने इस निर्णय के लिए महिला के गर्भ में पल रहे जुड़वां भ्रूण में से एक की चिकित्सकीय अनियमितताओं को आधार बनाया है। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि गर्भपात का विषय चिकित्सकीय विधिक तथा नैतिक रूप से विवादास्पद रहा है। गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम 1971 (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रिग्नेंसी एक्ट 1971) के पारित होने के पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 312 के तहत अपराध की श्रेणी में रहा है। प्रजनक विकल्प का प्रयोग करने के अधिकार में यह भी शामिल है कि कब गर्भ धारण किया जाए तथा गर्भावस्था को अपने पूर्ण कार्यकाल तक ले जाना है या इसे समाप्त करना है। महिलाओं के इस अधिकार को भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में प्राण या दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार के अर्थ में शामिल उनकी निजता, गरिमा, वैयक्तिक स्वायत्तता,

आत्म निर्णयन तथा स्वास्थ्य के अधिकार के केंद्र में रखा गया है। भारत में गर्भपात के मौजूदा कानूनों को उदार बनाने के लिए 1964 में एक आंदोलन शुरू किया गया। कारण यह था कि कानूनी बाधाओं के कारण असुरक्षित गर्भपात बड़े पैमाने पर हो रहे थे। इसी पृष्ठभूमि में शांति लाल साह की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई। गर्भपात के औषधीय, विधिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक आयामों की व्यापक समीक्षा के बाद इस समिति ने 1966 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। समिति ने न केवल गर्भपात को वैधानिक दर्जा देने की सिफारिश की, बल्कि यह भी कहा कि सुरक्षित गर्भपात का चिकित्सकीय समापन अधिनियम बनाया जाए। स्वास्थ्य विज्ञान की प्रसिद्ध पत्रिका 'द लांसेट' के अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2015 में भारत में 1.56 करोड़ गर्भपात हुए जिनमें से 78 प्रतिशत उन स्थानों पर हुए जहां स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि तेजी से होने वाले घरेलू एवं वैश्विक सामाजिक व आर्थिक परिवर्तनों के दौर में महिलाओं के प्रजनक अधिकारों के समक्ष कई बाधाएं सामने आई हैं। कदाचित इसी कारण से सरकार को एमटीपी कानून 1971 में संशोधन करने की प्रेरणा मिली है। कालांतर में इस विषय पर उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णयों ने भी प्रस्तावित संशोधन को प्रेरित किया है। न्यायालय ने सुचिता श्रीवास्तव बनाम चंडीगढ़ प्रशासन (2009) के एक मामले में यह कहा कि महिलाओं की प्रजनक स्वायत्तता उनकी निजता का मूल अधिकार है तथा गर्भ धारण करने या नहीं करने का निर्णय केवल उनका ही निर्णय होगा और ऐसे निर्णय में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
17 जुलाई, 2020

मलवानी में गिरी चॉल

फोर्ट स्थित भानुशाली इमारत का एक हिस्सा भी गिर गया

संवाददाता

मुंबई। मलवानी इलाके में एक ग्राउंड प्लस टू चॉल का हिस्सा गिर गया जिसमें चार लोगों के घायल हो गये है। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, शहर में फोर्ट स्थित भानुशाली इमारत का एक हिस्सा भी गिर गया। मलाड के मलवानी इलाके में चॉल का हिस्सा गिरने की घटना गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे हुई। मलवानी के गेट नंबर पांच पर स्थित इस चॉल का हिस्सा गिरने से छह लोग मलबे में दब गए थे। इनमें से चार को बचा लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। ऐसे में कमजोर इमारतों के ढहने या गिरने का खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों ने कहा है कि चॉल गिरने के पीछे बारिश वजह हो सकती है। वहीं, ऐसी ही एक अन्य घटना में मुंबई के फोर्ट क्षेत्र में स्थित भानुशाली इमारत का एक हिस्सा गिर गया। यहां अभी किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

रामपुर हलचल

कोविड-19 के चलते झंडा चौक लगेगी अब नगर साप्ताहिक बाजार

संवाददाता

टांडा (रामपुर)। नगर के मुख्य बाजार के अन्दर लगने वाला साप्ताहिक बाजार नगर पालिका परिषद आधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहा पति मकसूद लाला के प्रयासो के चलते आवागमन यातायात में बाधित होने वाले साप्ताहिक बाजार झण्डा चोक पर लगाये जाने के आदेशों के चलते साप्ताहिक बाजार झण्डा चौक पर ही लगाया गया है। अभी हाल ही में साप्ताहिक बाजार के अन्दर ऐसा जोश देखने को नहीं मिला। जैसा कि मुख्य बाजार के अन्दर आधिक मात्रा में दुकाने लगाई जाती है खासतोर से दुकानदारो द्वारा कोविड-19 का भी ध्यान रखते हुए साप्ताहिक बाजार की प्रक्रिया को चालू रखा गया है। नगर पालिका परिषद द्वारा सेनेटाइजर का भी प्रयोग किया गया है साथ ही सेनेटाइज स्टैंड भी लगाये गये है। इस मौके पर आधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला धनीराम सैनी डालचन्द, पन्जीराम, जिया उरर्हमान, भगत जी, सुदेश, सुरेश अन्य सफाई कर्मी मोजूद रहे।

सबसे सुरक्षित जेल से भागे कैदी

पुणे की येरवडा जेल से 5 कैदी फरार, इनमें 3 पर हत्या और मकोका का केस दर्ज

पुणे। महाराष्ट्र की सबसे सुरक्षित जेलों में से एक पुणे की येरवडा जेल से 5 कैदी ग्रिल तोड़कर फरार हो गए। इनमें 3 पर हत्या और मकोका का केस दर्ज था। घटना के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। यहां तलाशी का काम तेज कर दिया गया है। पुलिस का मानना है कि लॉकडाउन के कारण कैदी अभी शहर से बाहर नहीं भागे हैं। जानकारी के मुताबिक, ये कैदी बुधवार देर रात जेल की नई बिल्डिंग के कमरा नंबर 5 में खिड़की की ग्रिल काटकर फरार हुए हैं। इनमें देवगन अजिनाथ चव्हाण, गणेश अजिनाथ चव्हाण, अक्षय कोंडाक्य चव्हाण, अंजिक्य उत्तम कांबले और सनी टाइरोन पिंटो का नाम सामने आया है। आसपास के सभी पुलिस स्टेशनों में कैदियों की तस्वीरें भेजी गई हैं। जेल प्रशासन के अनुसार, ये सभी नए कैदी थे जिन्हें हाल ही में येरवडा के पास हॉस्टल में बनाई गई अस्थायी जेल में रखा गया था। ऐसा कोरोना महमारी के कारण किया गया था। इनका कोरोना टेस्ट किया गया था, लेकिन रिपोर्ट आने का इंतजार था। इसके बाद इन्हें मुख्य जेल में शिफ्ट किया जाना था।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर कोरोना संक्रमित

पुणे के एक हॉस्पिटल में इलाज के लिए हुये भर्ती

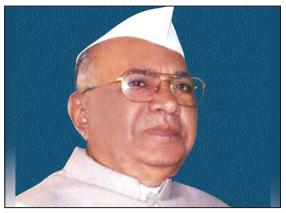

शिवाजी पाटिल निलंगेकर 1985-1986 में कुछ समय तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हैं

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर बृहस्पतिवार को लातूर जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 88 वर्षीय नेता को लातूर से करीब 320 किलोमीटर दूर स्थित पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मंगलवार को सांस लेने में तकलीफ के बाद पूर्व मुख्यमंत्री टेस्ट कराया गया। बुधवार को आई रिपोर्ट में वह कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए। शिवाजी लातूर के दूसरे ऐसे बड़े नेता है जो कोरोना वायरस की चपेट में आए हैं। इससे पहले अभिमन्यु पवार औसा भी कोरोना पॉजिटिव मिले थे।

शक्तिशाली सहकारी नेता: शिवाजी पाटिल निलंगेकर 1985-1986 में कुछ समय तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें लातूर के एक शक्तिशाली सहकारी नेता के रूप में जाना जाता है। उनके पोते संभाजी पाटिल बीजेपी के विधायक हैं। संभाजी देवेंद्र फडनवीस की सरकार में राज्य के श्रम मंत्री थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अडानी इलेक्ट्रिसिटी का उपभोक्ताओं पर अत्याचार

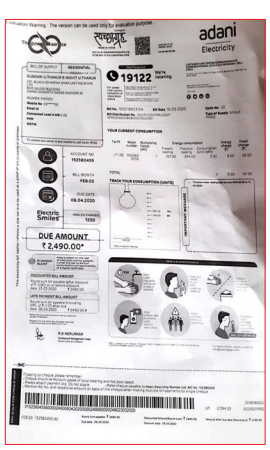

बिजली विभाग अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने हद तो तब कर दी जब उपभोक्ता द्वारा मार्च महीने में सख्त लॉकडाउन लगने के कारण मार्च का बिल न भर पाने की वजह से अप्रैल महीने में लॉकडाउन के दौरान बिजली का मीटर ही ऊखाड़ कर ले जाती है। दरअसल मार्च महीने में लॉकडाउन लगने के कारण काफी जनता अपने गांव चली गई थी। अब जैसे-जैसे लोग वापस मुंबई आ रहे हैं तो पता चलता है कि अडानी इलेक्ट्रिसिटी द्वारा अप्रैल महीने में ही उनका बिजली का मीटर ऊखाड़ कर ले गये हैं, साथ ही 1200 का फाईन भी लगा दिया गया। लॉकडाउन के दौरान आम जनता ने जब तक कोरोना है तब तक का बिजली बिल मॉफ करने की काफी गुहार लगाई थी। उस समय सरकारों ने हर विभाग को सख्त आदेश जारी किया था कि आम जनता को लॉकडाउन के दौरान किसी भी तरह का कोई परेशान नहीं करेगा। लेकिन सरकारों की आदेशों का अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने पूरी तरह से धज्जियां उड़ा कर रख दी है। **सवाल यह है कि सरकारों के आदेशों के बाद भी अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने बिजली का मीटर क्यों ऊखाड़ा? क्या अडानी इलेक्ट्रिसिटी को सरकार का जरा भी खौफ नहीं? जब मार्च से ही पूरे देश में लॉकडाउन है तो अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने अप्रैल में बिजली का मीटर कैसे ऊखाड़ा?** अडानी इलेक्ट्रिसिटी द्वारा जनता पर अत्याचार किया जा रहा है। लॉकडाउन के कारण जनता परेशान है उनका बिजली का बिल मॉफ करने के बजाये उनका बिजली का मीटर ही ऊखाड़ा जा रहा है। आम जनता ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मांग की है कि अडानी इलेक्ट्रिसिटी पर एफआईआर दर्ज करके उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये।

इंडियन साइबर स्पेस में भी हो सकता है अटैक, अलर्ट के साथ अडवाइजरी जारी

संवाददाता

मुंबई। अरबपति कारोबारी एलन मस्क, बिल गेट्स, जेफ बेजोस के साथ-साथ दुनिया के कई शीर्ष लोगों के ट्विटर अकाउंट बुधवार को हैक कर लिए गए थे। इसके मद्देनजर अब महाराष्ट्र की साइबर सेल ने अलर्ट के साथ-साथ अडवाइजरी भी जारी की है। बताया जा रहा है कि यह हैक किंग बिटक्वाइन स्कैम था। हैक किए गए अकाउंट्स पर जो पोस्ट किया गया, उसके जरिए लोगों से बिटक्वाइन में दान मांगा गया। इस तरह का हमला इंडियन साइबरस्पेस में भी हो सकता है, इसकी संभावना को देखते हुए अडवाइजरी जारी की गई है। इस अडवाइजरी में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए किसी भी कॉन्टेंट पर आंख मूंदकर यकीन मत करें। यह अच्छे से जांच परख लें कि जो कॉन्टेंट पोस्ट किया गया है वह कितना सही और कितना गलत है। फेक न्यूज या अफवाहों को बढ़ावा देने वाली, हिंसा फैलाने वाली कोई भी खबर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर मत बढ़ाएं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की सुरक्षा के लिए सुरक्षित पासवर्ड चुनें। यदि आपको कुछ भी संदिग्ध लगता है तो नजदीकी पुलिस स्टेशन पर उसकी जानकारी दें या www.cybercrime.gov.in पर भी इस बात की सूचना दे सकते हैं।

महाराष्ट्र बोर्ड 12वीं की परीक्षा में बेटियों का रहा दबदबा

ज्योति शर्मा | अन्नू यादव | सेजल सिंह | विदुषी झा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र बोर्ड ने लंबे इंतजार के बाद बृहस्पतिवार को 12वीं कक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया। कुल 90.66% प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं। इस साल महाराष्ट्र बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में 15 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। छात्राएं 93.88% और छात्र 88.04% पास हुए। इसमें से कांदिवली पूर्व पोईसर से ज्योति शर्मा 92%, अन्नू यादव 91%, सेजल सिंह 90% और विदुषी झा ने 90% प्राप्त किया है। इन बच्चियों का इतना अच्छा रिजल्ट आने के बाद पूरे पोईसर इलाके में खुशी का लहर दौड़ पड़ा है, हर कोई इन बच्चियों को बधाई दे रहा है। **ऐसी होनहार छात्र-छात्राओं को दै. मुंबई हलचल सलाम करता है।**

शबनम परवीन ने 12वीं कक्षा में 82.77% लाकर लहराया परचम

शबनम परवीन ने 12वीं में 82.77% से पास होकर अपना परचम लहरा दिया है। शबनम परवीन ने ये साबित कर दिया है कि बेटियां किसी भी मामले में किसी से नहीं हैं। शबनम परवीन के पिता अब्दुल अनीस का कहना है कि आज हमारी बेटी 82.77% से पास हुई हैं यह हम सभी के लिए सबसे बड़ा सम्मान और गर्व की बात है।

सुरेखा तुकाराम भोसले को महाराष्ट्र के महिला संघ में भूमि जनशक्ति परिवार किसान मजदूर शतकरी संगठन की महासचिव बनाया गया

मुंबई। सुरेखा तुकाराम भोसले को महाराष्ट्र के महिला संघ में भूमि जनशक्ति परिवार किसान मजदूर शतकरी संगठन की महासचिव बनाया गया है। वह सरकारी महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य भी हैं और हिरकानी अवार्ड मुंबई रणरागिनी अवार्ड मदर टेरेसा अवार्ड नेशनल गोल्डन रिवार्ड अवार्ड नई दिल्ली से नवाजी गई हैं। उत्कृष्ट पुरस्कार यूथ वर्ल्ड इंडियन आइकन अवार्ड राज्य, महिला बचाओ समूह द्वारा महात्मा फुले समाजरत्न पुरस्कार से सम्मानित, सावित्रीबाई फुले पुरस्कार उन्हें इस तरह के कई पुरस्कार मिले हैं। सुरेखा तुकाराम भोसले ने कहा, मैं इस पद का दुरुपयोग नहीं करूंगी और किसानों के लिए न्याय पाने की कोशिश करूंगी। मैं महिलाओं के खिलाफ अन्याय, उत्पीड़न और भ्रष्टाचार की अनुमति नहीं दूंगी और मैं महाराष्ट्र में किसी भी पारधी समुदाय के खिलाफ अन्याय और अत्याचार नहीं होने दूंगी।

मुफ्त आरोग्य शिबीर आयोजित किया गया

मुंबई। अणुशक्ति नगर विधानसभा के स्थानिक आमदार और राज्य के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के मार्गदर्शन से और सना मलिक शेख के सहयोग से न्यू भारत नगर पंचशील बुद्ध विहार में विजय गुप्ता तालुका अध्यक्ष हिंदी भाषिक, मधुकर शिरसाठ मुंबई महासचिव, उषा कापड़ने (नंदा ताई) महिला अध्यक्ष सामाजिक न्याय विभाग व संतोष पाटिल वार्ड अध्यक्ष द्वारा मुफ्त आरोग्य शिबीर आयोजित किया गया। इस आरोग्य शिबीर में लोगों को फ्री मेडिकल चेक अप फ्री दवाई और फ्री मास्क बांटे गए। इस कार्यक्रम में प्रमोद इंगले, पंकज मारे तालुका उपाध्यक्ष, मोनू पांडे युवक वार्ड अध्यक्ष, शिवम सिंह ठाकुर युवक तालुका उपाध्यक्ष, रमेश वानखेडे, जयश्री खरत्मोल महिला वार्ड अध्यक्ष, किरण जाधव समाजसेवक, मेहबूब भाई, रीटा गुप्ता महिला वार्ड अध्यक्ष सामाजिक न्याय विभाग आदि उपस्थित थे।

मसाला किंग धनंजय दातार की मदद से दुबई में फंसे 186 महाराष्ट्रियन गरीब मजदूरों की वापसी शुरू

मुंबई। दुबई में फंसे 186 गरीब मजदूरों ने दुबई से मुंबई लौटने के लिये एक चार्टर्ड फ्लाइट में कदम रखने के बाद राहत की सांस ली। महाराष्ट्र के सभी क्षेत्रों के मजदूर हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे। इन मजदूरों की आंखों में खुशी के आंसू थे और होंठों पर मुस्कुराहट थी। उन्होंने अपनी घर वापसी के लिये मसाला किंग डॉ. धनंजय दातार का शुक्रिया अदा किया। अल आदिल ट्रेडिंग एलएलसी के सीएमडी धनंजय दातार की गिनती दुबई के अरबपति लोगों में की जाती है। वह अपने लोकपरोपकारी कार्य के लिये भी जाने जाते हैं। उन्होंने इन मजदूरों की यात्रा का सारा खर्चा उठाया। उन्होंने अब तक दुबई में फंसे 3000 जरूरतमंद भारतीयों को भारत पहुंचाने में मदद की है और उनके एयर टिकट्स एवं मेडिकल टेस्ट्स पर 3 करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च किये हैं।

ये लोग भारत के अलग-अलग राज्यों जैसे कि केरल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, गोवा, राजस्थान इत्यादि के रहनेवाले हैं। जरूरतमंद लोगों की मदद का यह अभियान अगले कुछ महीनों तक यूं ही चलता रहेगा। इस पहल के बारे में बताते हुये डॉ. धनंजय ने कहा, "लॉकडाउन के बाद, यूएई और भारत के बीच हवाई यातायात लगभग तुरंत शुरू हो गया था, लेकिन दुबई से मुंबई के बीच उड़ानें अभी हाल ही में शुरू हुई हैं। यही कारण है कि महाराष्ट्र के 65,000 भारतीय, जिनमें मजदूर, स्टूडेंट्स, पर्यटक इत्यादि शामिल हैं, अभी भी दुबई में फंसे हुये हैं और जल्द से जल्द फ्लाइट बुकिंग का लाभ उठाने को भी खो चुके थे, लेकिन उनकी अंत्येष्टी में आने में असमर्थ थे। किसी की पत्नी अस्पताल में भर्ती थी, किसी के बच्चों को होम क्वारंटाइन किया गया था। दिल को छू लेने वाली ऐसी कहानियों ने वाकई में हमें एक सीएसआर पहल के रूप में यह अभियान शुरू करने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने आगे कहा, 2000 आवेदकों की एक सूची में वाकई में जरूरतमंद लोगों को चुनना हमारे लिये एक चुनौती थी। हमने उन मजदूरों को प्राथमिकता दी, जो पहले 2000 दिरहम से भी कम का मासिक वेतन कमा रहे थे और महामारी के दौरान उनकी नौकरियां तक चली गई थीं। इसके अलावा, सफर शुरू करने के पहले कुछ अन्य महत्वपूर्ण औपचारिकताओं को भी पूरा करना था। हमने महाराष्ट्र सरकार और विदेश मंत्रालय से उनकी अनुमति मांगने के लिये सम्पर्क किया। इसके साथ ही यूएई में भारतीय दूतावास के साथ सहयोग किया गया और फिर दोनों देशों की सभी वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा किया गया। आखिर में हमने एक चार्टर्ड फ्लाइट का इंतजाम करने के लिये एयरलाइन से बातचीत की। हमने मुंबई पहुंचने के बाद इन यात्रियों के होम क्वारंटाइन का भी जिम्मा उठाया। मेरी पत्नी वंदना और बेटों ऋषिकेश और रोहित ने भी इस पूरी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया। धनाश्री पाटिल (पुणे) और राहुल तिलपुले का भी बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने हमारी काफी मदद की। साथ ही हम अकबरअली ट्रैवेल्स (मुंबई) के भी आभारी हैं, जिन्होंने यात्रा अनुमतियों से संबंधित औपचारिकताओं को पूरा करने में हमारी मदद की।

एविएशन सेक्टर को राहत

आज से शुरू हो रही है इंटरनैशनल फ्लाइट

संवाददाता

नई दिल्ली। करीब ढाई महीने बाद भारत सरकार ने इंटरनैशनल फ्लाइट को शुरू करने का फैसला किया है। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने अमेरिका और फ्रांस के साथ इंडिविजुअल बाई-लैट्रल बबल के तहत 17 जुलाई से इंटरनैशनल फ्लाइट शुरू करने का फैसला किया है। बहुत जल्द जर्मनी और इंग्लैंड के साथ भी इसी तरह म्यूचुअल अग्रीमेंट के तहत इंटरनैशनल फ्लाइट शुरू की जाएगी। 18 जुलाई से एयर फ्रांस 28 इंटरनैशनल फ्लाइट दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पेरिस के बीच शुरू करेगी। अमेरिका की तरफ से यूनाइटेड एयरलाइन 18 इंटरनैशनल फ्लाइट 17 जुलाई से 31 जुलाई के बीच शुरू करेगी। यूनाइटेड एयरलाइन रोजाना दिल्ली और नेवार्क के बीच उड़ान भरेगी। इसके अलावा एक सप्ताह में 3 दिन दिल्ली और सैन-फ्रांसिस्को के बीच उड़ान भरेगी।

इंग्लैंड और जर्मनी से भी बातचीत: आने वाले दिनों में भारत और इंग्लैंड के बीच दिल्ली-लंदन फ्लाइट एक दिन में दो बार उड़ान भरेगी। जर्मनी की तरफ से लुफ्थांसा एयरलाइन के साथ बातचीत लगभग फाइनल हो चुकी है। भारत की तरफ से एयर इंडिया फ्रांस और अमेरिका के लिए उड़ान भरेगी।

23 मार्च से इंटरनैशनल फ्लाइट बंद: कोरोना महामारी के कारण भारत ने 23 मार्च को इंटरनैशनल फ्लाइट पर रोक लगा दी थी। 25 मार्च को पूरे देश में लॉकडाउन लागू किया गया था। दो महीने बाद 25 मई से डमेस्टिक फ्लाइट सेवा जारी है। शुरूआत में एयरलाइन को 33 फीसदी कपैसिटी के साथ डमेस्टिक फ्लाइट ऑपरेट की इजाजत दी गई थी। 26 जून को इसे बढ़ाकर 33-45 फीसदी तक किया गया। उम्मीद की जा रही है कि दिवाली तक 60 फीसदी कपैसिटी के साथ डमेस्टिक फ्लाइट को उड़ान की इजाजत मिल जाएगी।

नहीं रिलीज होगी फिल्म मुहम्मद द मैसेंजर ऑफ गॉड

गृहमंत्री अनिल देशमुख ने जारी किया आदेश

डॉन सिनेमा द्वारा ऑनलाइन रिलीज होने वाली व प्रसिद्ध निर्देशक माजिद मजीदी द्वारा निर्देशित विवादित फिल्म मुहम्मद द मेसेंजर ऑफ गॉड पर गृहमंत्री अनिल देशमुख ने त्वरित पाबंदी लगा दी है। और डॉन सिनेमा के पोर्टल को बंद करने का आदेश दिया है। ज्ञात हो कि आगामी 21 जुलाई को फिल्म रिलीज होने वाली थी। जिस दिन से फिल्म रिलीज होने का समाचार आया है तब ही से रजा अकेडमी ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। अकेडमी के कुछ लोग डॉन सिनेमा के मालिक महमूद अली को भी ज्ञापन दे गए थे, जबकि महमूद अली ने उनसे कहा कि फिल्म का कॉपीराइट हमारे पास है लेकिन कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ये फिल्म दिखाई जा रही है, पहले आप उनसब को रोकिये फिर मैं भी रिलीज नहीं करूंगा। गृहमंत्रालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बारे में पूछने पर महमूद अली ने बताया कि कमिश्नर ने उनको अपने कार्यालय बुलाया है, वहीं से वो माननीय गृहमंत्री जी से मिलने का समय मांगेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मेरी समझ में ये नहीं आ रहा कि जब इस सब्जेक्ट पर इससे पहले भी कई फिल्में बन चुकी है और पूरे विश्व में देखी और सराही गई हैं फिर मेरी फिल्म पर इतनी हाय तौबा क्यों। जबकि मैंने अकेडमी वालों से ये भी कहा थे आप लोग एक बार फिल्म देख लें उसके बाद यदि कोई आपत्ति होती है तो मैं फिल्म नहीं रिलीज करूँगा। श्री महमूद अली ने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश के निवासी हैं और मुझे देश के कानून पर पूरा भरोसा है और वह मेरे साथ न्याय करेगा।

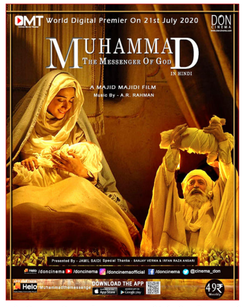

पाकिस्तान ने फिर दिया गच्चा, भारतीय अधिकारियों को कुलभूषण से नहीं करने दी बेरोकटोक बातचीत

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने फिर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए भारतीय राजनयिकों को कुलभूषण जाधव के साथ बेफिक्री से बातचीत नहीं करने दी। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को राजनयिक अधिकारियों को कुलभूषण जाधव से बेरोकटोक और बिना शर्त मुलाकात नहीं करने दी। मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री ने इन घटनाक्रमों से कुलभूषण जाधव के परिवार को अवगत करा दिया है। विदेश मंत्रालय ने कुलभूषण जाधव तक राजनयिक पहुंच के बारे में कहा कि मुलाकात के दौरान पाकिस्तानी अधिकारी डराने-धमकाने वाले रवैये के साथ वहां मौजूद थे। कुलभूषण जाधव तनाव में दिख रहे थे और उन्होंने राजनयिकों को इसके स्पष्ट संकेत भी दिए। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान द्वारा मृत्युदंड की सजा पाए भारतीय नागरिक कुलभूषण तक राजनियक पहुंच दिए जाने पर कहा कि खुलकर बातचीत करने का मौका नहीं दिया गया।

'नहीं लेने दिए गए कुलभूषण के दस्तखत': विदेश मंत्रालय ने बताया कि राजनयिक अधिकारियों को कानूनी प्रतिनिधित्व की व्यवस्था के लिए कुलभूषण जाधव की लिखित सहमति हासिल नहीं करने दी गई। ऐसे में भारतीय राजनयिक विरोध दर्ज कराकर वहां से निकल गए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कुलभूषण से मिलने गए इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के दो राजनयिकों से मिली रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी दी।

2019 में मां और पत्नी से हुई थी सशर्त मुलाकात: ध्यान रहे कि पाकिस्तान ने मौत की सजा का सामना कर रहे भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को गुरुवार को राजनयिक संपर्क मुहैया कराया। कुछ ही दिन पहले इस्लामाबाद ने दावा किया था कि जाधव ने एक सैन्य अदालत द्वारा उन्हें दोषी करार दिये जाने के खिलाफ यहां एक अदालत में अपील दायर करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जाधव को मुहैया कराया गया यह दूसरा राजनयिक संपर्क है। पहला राजनयिक संपर्क 2 सितंबर 2019 को मुहैया कराया गया था।

लॉकडाउन को लेकर शुरू हुई सख्ती, सड़कों पर हो रही है सघन जांच

संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए डीएम शशांक शुभंकर ने पूरे जिले में 16 जुलाई से लॉकडाउन लागू कर दिया है। ऐसे में बिना कार्य के बाहर निकलने वाले लोगों से जूमार्ना वसूलने के साथ-साथ बेवजह घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी जा रही है। वहीं लॉकडाउन को लागू करने के लिए सदर एसडीओ अशोक मंडल, एसडीपीओ प्रीतीश कुमार, सीओ धर्मेंद्र पंडित, नगर थानाध्यक्ष सीताराम सिंह और मुफ्फसिल थानाध्यक्ष विक्रम आचार्य सहित दर्जनों पुलिसकर्मी ने संयुक्त रूप से मिलकर शहर में सघन जांच अभियान चलाया। यह अभियान शहर के मोहनपुर से शुरू

होकर पटेल गोलम्बर, मगरदही घाट, गणेश चौक, रामबाबू चौक, होते हुए स्टेशन चौक से मारवाड़ी बाजार और गोला चौक से दुर्गा स्थान चौक एवं मालगोदाम चौक तक चलाया गया। इस दौरान बिना कार्य के मटरगश्ती कर रहे लोगों को घर पर रहने की हिदायत दी गयी है। साथ ही बिना मास्क के शहर में मटरगश्ती कर रहे लोगों से जूर्माना वसूला गया। साथ ही अनावश्यक घर से बाहर निकलने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी।साथ ही दुकानदारों को निर्देश दिया गया है कि बिना मास्क के दुकान में आने वाले लोगों को समान नहीं दे। साथ ही ग्रहक को मास्क पहनने की अपील करने की निर्देश दिया गया है। वहीं अनावश्यक दुकानों खोलने वाले दुकानदारों को दुकान बंद करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही अपनी उपस्थित में दर्जनभर दुकानों बंद कराया गया।

समस्तीपुर डीजल शेड को इलेक्ट्रिक शेड के रूप में बदला जायेः राकेश ठाकुर

समस्तीपुर। भाजपा सरकार की अदूरदर्शी नीति तथा समस्तीपुर जिले के स्थानीय सांसदों की संवेदनशून्यता के कारण समस्तीपुर रेल मंडल का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। समस्तीपुर डीजल शेड को बंद करने की साजिश रची जा रही है। रेलवे बोर्ड द्वारा समस्तीपुर डीजल शेड में मेंटेनेंस का कार्य बंद करने का आदेश दिया गया है। जिसके वजह से समस्तीपुर डीजल शेड बंद होने के कगार पर पहुंच गया है। राजद के जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि समस्तीपुर डीजल शेड को बंद करने की साजिश के खिलाफ राजद सड़को पर उतर कर विरोध दर्ज करेगा। समस्तीपुर के साथ नाइंसाफी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रेलवे की तानाशाही रवैये के खिलाफ आंदोलनों की शंखनाद की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एलसी त्रिवेदी ने 19 फरवरी 2020 को समस्तीपुर डीजल शेड का वार्षिक निरीक्षण के दौरान डीजल शेड में ही एक इलेक्ट्रिक शेड बनाने का निर्देश दिया था। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एलसी त्रिवेदी ने कहा था कि समस्तीपुर डीजल शेड को विद्युत इंजन शेड के रूप में विकसित किया जाएगा। राजद के जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि जीएम को अपना वादा निभाना चाहिए। समस्तीपुर डीजल शेड को इलेक्ट्रिक शेड में विस्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर डीजल शेड के उद्घाटन के समय से ही रेलवे के हर स्तर पर धारणा रही है कि रेलवे विद्युतीकरण होने पर डीजल शेड को 100 इंजन वाला इलेक्ट्रीक शेड में परिवर्तित कर दिया जाएगा। राजद जिला प्रवक्ता ने कहा कि समस्तीपुर डीजल शेड को इलेक्ट्रिक शेड के रूप में बदला जाय ताकि समस्तीपुर में ही इलेक्ट्रिक इंजन की मरम्मत व रखरखाव कार्य हो सके। मौके पर राजद जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर के साथ राजद जिला उपाध्यक्ष मो. अरमान सदरी, समस्तीपुर राजद प्रखंड अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव, जिला महासचिव रामविनोद पासवान तथा राजद पर्यावरण प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विधा भूषण यादव, सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष विष्णु राय, पूर्व मुखिया रामचन्द्र महतो, जिला राजद नेता रविन्द्र कुमार रवि, मनोज पटेल तथा ज्योतिष महतो भी मौजूद थे।

बुलढाणा नगर परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ग्राम पंचायतों से साफ सफाई अभियान को सफल बनाने की अपील की

संवाददाता

बुलढाणा। केंद्र सरकार की पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा शुरू किए गए सर्वजनिक स्वच्छता अभियान मैं भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाएं इस तरह की अपील जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी षणमुगराजन ने की है राज्य के सभी गांव में नागरिकों को स्वच्छता वातावरण और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने पूरे देश में सार्वजनिक शौचालय अभियान शुरू किया है स्वच्छता और सुंदर

वातावरण के पंतप्रधान मंत्री के सपने को पूरा करने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है इसके चलते सभी ग्राम पंचायतों को पहल करनी चाहिए गांव में शहर के नागरिकों को शौचालय खोलने के लिए जाते हैं उनके पास शौचालय का उपयोग करने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है इसके लिए इन परिवारों को विकल्प के रूप में सामुदायिक शौचालय उपलब्ध कराना होगा ऐसे परिवारों की पहचान की जाएगी और समुहो का गठन स्थानीय स्वराज्य संस्था द्वारा किया जाएगा उसके बाद गांवों, बाजारों, धार्मिक स्थलों, सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारें इसके लिए धन उपलब्ध कराएंगी।

समस्तीपुर हलचल

सत्तरघाट पुल के निर्माण में जो 264 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं उसकी रिकवरी होनी चाहिएः शाहीन

समस्तीपुर। गोपालगंज में उद्घाटन के मात्र 29 वे दिन ही सत्तरघाट पुल ढ़हने पर आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता व विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गोपालगंज में पुल का एक हिस्सा ढ़हने से नीतीश सरकार के सुशासन के दावों की पोल खुल गई। राजद के प्रांतीय प्रवक्ता ने पथ निर्माण मंत्री नन्द किशोर यादव से मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस पुल के पहुंच पथ के ध्वस्त होने से आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गयी है और छपरा, सीवान, गोपालगंज जिलों से मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा की ओर आने-जाने वाले वाहनों का परिचालन ठप हो गया है। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदार मंत्री हैं उनको तुरंत बर्खास्त किया जाए। पुल का निर्माण करने वाली कंपनी को भी ब्लैकलिस्ट किया जाय। पुल के निर्माण में जो 264 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं उसकी रिकवरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि इस मामले की जांच कराने की मांग को लेकर वह आगामी 4 अगस्त को शुरू होने वाले विधानसभा में उठाएंगे।

भारतीय एकता संगठन के 2 साल पूरा होने के अवसर पर संगठन का स्थापना दिवस मनाया

दरभंगा/हायाघाट। राष्ट्रीय सचिव मो० तहसीन आलम के नेतुव में स्थापना दिवस मनाया गया जिस मौके पर कोरोना जैसी महामारी को लेकर जागरूकता अभियान एवं मास्क वितरण का कर्यक्रम किया गया जिसमें कार्यालय से लेकर हायाघाट पूरे बाजार में घुम कर एक एक दुकानदार से मिलकर उन्हें मास्क पहनने एवं सैनिटाइजर रखने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए सभी दुकानदारो से आग्रह किया गया। इस मौके पर लोगों को कोरोना जैसी महामारी को लेकर जागरूक किया और लोगों को बताया कि मास्क हर एक व्यक्ति के लिए जरूरी है महिलाओं को भी दुपट्टा नाक पर रखने के लिए आग्रह किया इस मौके पर शामिल नवाज अली, मोहम्मद कोनेन, मोहम्मद आजाद, मोहम्मद सितारे, मोहम्मद इमरान, पंकज, अनिल कुमार, किसनी देवी, राहुल कुमार एवं अन्य लोग शामिल थे।

होटल से तीन युवतियां व पांच युवक गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

समस्तीपुर। शहर के स्टेशन चौक स्थित एक होटल से पुलिस ने छापेमारी कर तीन युवतियों के साथ पांच युवकों और होटल के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि पकड़े गए युवक और युवतियां होटल के कमरे में आपत्तिजनक स्थिति में थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इन लोगों के खिलाफअनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। शहर के स्टेशन चौक स्थित होटल विशाल रेस्ट हाउस में गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापा मारा। छापे के दौरान होटल के एक कमरा में मौजूद दो युवती व पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक लड़की को पार्किंग में लगे आल्टो कार से बरामद किया गया है इस दौरान पुलिस ने होटल मैनेजर को भी हिरासत में लेने के बाद उन्हें नगर थाना ले गयी है। पुलिस ने पकड़े गए युवक व युवतियों से मोबाइल के साथ एक आल्टो कार और होटल के रजिस्टर को भी कब्जे में ले लिया है। पकड़े गए तीनों युवती और सभी पांच युवक ताजपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले बताये गए हैं। वहीं गिरफ्तार सभी युवती से महिला थाने में व युवकों से नगर थाने में पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में पकड़े गए युवक व युवतियों ने अनैतिक देह व्यापार में अपने को लिप्त होने से इनकार किया है। फिलहाल पुलिस सभी से अलग अलग पूछताछ कर रही है।

कोरोना बीमारी बनी इंसानियत की दुश्मन, बीमारी की दहशत से इंसान परेशान

संवाददाता

बुलढाणा। कोरोना जैसी महामारी का नाम सुनते ही हर कोई नागरिक अपनी रोजमर्रा का जीवन बच बचाकर जीता हुआ दिखाई दे रहा है। उसे ऐसा महसूस होता है कि मेरे कोई आसपास करुणा का पेशेंट तो नहीं है। हर इंसान में यह दहशत वाला डर सरकार और आरोग्य विभाग ने साफ तौर से कह दिया है कि इस बीमारी का कोई वैक्सिन नहीं है और इस की वैक्सीन आने में काफी समय लगेगा। यह सुनकर भी देश का हर नागरिक इस बीमारी की दहशत डर से जीते हुए दिखाई दे रहा है जैसे कि किसी व्यक्ति को जरूरी काम के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है तो उसके दिमाग में बस यही दो बातें बैठी हुई है सरकार और आरोग्य विभाग की सूचना बीमारी की कोई वैक्सिन नही और इस वैक्सीन को काफी समय लगेगा जब कोई व्यक्ति इस बीमारी का पॉजिटिव मिलता है तो उसके परिजनों को कोरंटाईन सेंटर में दाखिल किया जाता है और स्वास्थ्य विभाग भी उसकी स्वास्थ्य की खबरदारी ना लेते हुए उसको जो खाना दिया जाता है वह खाने के भी लायक नहीं है हाल ही में जिले के चिकली तहसील के कोरंटाईन सेंटर का मामला सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ और साथ ही जलगांव जामोद की एक एक खबर अखबार में प्रकाशित हुई वहां के

कोरंटाईन सेंटर के मरीजों को खाना सही तरीके से नहीं मिल रहा। अगर आइसोलेशन में कोई व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसके परिवार वाले उसका शव भी लेने से कतराते हैं करीबी दोस्त भी कोसों दूर हो जाते हैं ऐसी कई खबरें देखी जा रही है। इस मामले से यह बीमारी इंसानियत कि दुश्मन बनती नजर आ रही है जिससे पूरी इंसानियत शर्मसार हो गई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार हर वर्ष टीबी, शुगर, कैंसर, हार्ट अटैक, ऐसी खतरनाक बीमारियों के कारण देश में लाखों लोग मरते हैं लेकिन इस बीमारी के चलते विगत 4 महीनों से उक्त बीमारियों की ना स्वास्थ्य विभाग कि सर्वे रिपोर्ट उजागर हुई और ना ही डब्ल्यूएचओ ने किसी भी बीमारी का जिक्र किया है। केवल कोरोना बीमारी के मरीजों की मृत्यु संख्या ही सामने आ रही है इन बातों पर ध्यान रखते हुए नागरिक भी अचंभे में गिर गए हैं क्या हकीकत कोरोना महामारी के डर से बाकी सब बीमारियां खत्म हो गई क्या यह भी एक बड़ी प्रश्न जनता को सोच में डाल रखा है इसी के साथ नागरिकों में भी एक बड़ी उलझन में डालने की बात है कि इंसान इतना स्वच्छता और साफ सफाई करके उसका खान पीन रखने के बावजूद भी यह बीमारी इंसान पर ही क्यों हावी होते दिखाई दे रही है जबकि बेजुबान जानवर उनको कोई जिंदगी गुजारने का ज्ञान नहीं है तब भी कोई बीमारी से पीड़ित नजर नहीं आ रहे हैं यह भी इंसान को सोच में डालने वाली बात है हर इंसान हर बात पर ध्यान रखते हुए सरकार के आदेश और उपाय योजना के मुताबिक पहले से ज्यादा अपनी सेहत पर ध्यान रखकर रहा है फिर भी यह बीमारी ईन्सान को जकडते नजर आ रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोया मिल्क में शहद मिलाकर पीने से ही मिलेंगे ये 10 फायदे

सोया मिल्क और शहद :

सोया मिल्क पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें ऐसे न्यूट्रिएंट्स होते हैं जो कई हैल्थ प्रॉब्लम से बचाने में मदद करते हैं। मगर अमेरिकंस वजन कम करने के लिए सोया मिल्क में शहद मिलाकर पीना पसंद करते हैं। कई खनिज, सोडियम, पोटाशियम, फासफोरस, मैग्रीशियम, आयरन और विटामिन बी12 से भरपूर सोया मिल्क में शहद मिलाकर पीने से न सिर्फ आपका वजन तेजी से कम होता है बल्कि इससे आप कई बीमारियों से भी बचे रहते हैं। आइए जानते हैं रोजाना सोया मिल्क में शहद मिलाकर पीने के क्या-क्या फायदे होते हैं।

घर में ऐसे बनाएं सोया-हनी मिल्क

सोयाबीन को अच्छी तरह पीसकर दूध में मिलाएं। अब इसमें शाहद डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं और गुनगुना करके पीएं।

1. वजन घटाने में मददगार

इस ड्रिंक में कौलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसे पीने से फैट बर्निंग का प्रोसेस तेज हो जाती है और वजन जल्दी से कम होता है। अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं तो रोज इस ड्रिंक का सेवन करें।

2.कैंसर से बचाव

इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा भी अधिक होती है। ऐसे में इस ड्रिंक को रोजाना पीने से आप कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचे रहते हैं।

3. हड्डियों को बनाए मजबूत

सोया मिल्क में शहद मिलाकर पीना हड्डियों के लिए भी अच्छा होता है। कैल्शियम, विटामिन डी और आयरन से भरपूर इस ड्रिंक का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

4. स्ट्रांग मसल्स

अगर आप जिम जाते हैं तो इस ड्रिंक सेवन आपके लिए फायदेमंद हैं क्योंकि इसमें प्रोटीन होता है। यह मसल्स को मजबूत बनाने में मदद करता है।

5. दिल के रोग

दिल की बीमारियों से बचने के लिए भी इस ड्रिंक का सेवन फायदेमंद है। दरअसल, इसमें कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे आप हार्ट प्रॉब्लम से बचे रहते हैं।

6. ऑस्टियोपोरोसिस

हनी और सोया मिल्क में आइसोफ्लेवोंस भी भरपूर मात्रा में होता है। ऐसे में इसका रोजाना सेवन आपको ऑस्टियोपोरोसिस से बचाने में भी मदद करता है।

7. एनीमिया से बचाव

आयरन से भरपूर होने के कारण इसका सेवन शरीर में एनीमिया (खून की कमी) से बचाने में भी इफेक्टिव होता है। एनीमिया से बचने के लिए इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

8. शारीरिक कमजोरी करे दूर

विटामिन बी12 की भरपूर मात्रा होने के कारण इसका सेवन शरीर को कमजोरी भी दूर करता है। नाश्ते में यह ड्रिंक पीने से न सिर्फ आपकी कमजोरी दूर होती है बल्कि यह आपको पूरा दिन एनर्जेटिक भी रखता है।

9. मजबूत इम्यून सिस्टम

यह आपको कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार होता है क्योंकि रोजाना इसका सेवन इम्यूनिटी को बढ़ाता है। अगर आप भी बीमारियों से बचना चाहते हैं तो रोज इस ड्रिंक का सेवन करें।

10. डाइजेशन सिस्टम इम्प्रूव

इस ड्रिंक में फाइबर्स भी होते हैं। इसे पीने से डाइजेशन सिस्टम इम्प्रूव होता है, जिससे आपको पेट की प्रॉब्लम और कब्ज से छुटकारा मिलता है।

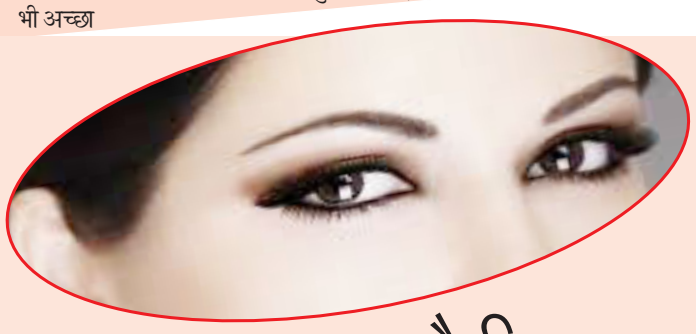

कैमिकल्स वाला नहीं, घर पर बनाकर लगाएं काजल

काजल आंखों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम रोल अदा करता है। इसको लगाने से आंखें बड़ी और अट्रैक्टिव लगती हैं। इसके बिना लड़कियों का मेकअप अधूरा सा लगता है। वैसे तो मार्किट में कई तरह काजल आपको आसानी से मिल जाएंगे। मगर कई बार बाजारी काजल को लागने से आंखों में रिएक्शन होने लगता है। ऐसे में आप घर पर ही काजल बना कर लगा सकते हैं। आज हम आपको घर में काजल बनाने का तरीका बताएंगे।

सामग्री:-

बादाम- 5
एलोवेरा जेल- 3 टीस्पून
नारियल तेल-3 टीस्पून
ट्विजर
लाइटर
प्लेट या सेरेमिक कटोरी

ऐसे बनाएं काजल:-

1. सबसे पहले ट्विजर में कुछ बादाम लें। फिर लाइटर की मदद से बादाम को कम से कम 10 मिनट तक जला लें। मगर ध्यान रहे जब यह जल रहे हों तो इसके नीचे सेरेमिक प्लेट या कटोरी जरूर रख लें।
2. अब जले हुए बादामों को बारिक पीस लें।
3. फिर बारिक पाउडर में 3 टीस्पून एलोवेरा जेल, टीस्पून नारिलय तेल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।
4. आपका काजल बनकर तैयार हैं। इसको एयरटाइट गिलास जार में डालकर रख लें। जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल करें।

शरीर पर पड़ते काले निशानों को न करें अनदेखा

महिलाएं अक्सर अपने शरीर में दिखने वाले बदलावों को नजरअंदाज कर देती है। मगर छोटी-मोटी दिखने वाली परेशानियां किसी बड़ी बीमारी का इशारा हो सकती है खासकर त्वचा संबंधी समस्याएं। पैरों पर पड़ने वाले काले निशान भी ऐसी ही एक बीमारी का संकेत देते हैं, जिसे इग्नोर करना उचित नहीं है। पैरों पर पड़ने वाले यह निशान क्रोनिक वेनस इन्सफीसियंसी या सीवीआई का संकेत हो सकते हैं। आपके पैरों में भी ऐसे निशान है तो सतर्क हो जाएं और तुरंत डॉक्टर से चेकअप करवाएं।

क्रोनिक वेनस इन्सफीसियंसी के लक्षण

- ज्यादा देर खड़े रहने में परेशानी
- पैरों में असहनीय दर्द
- पैरों में सूजन
- मांसपेशियों में खिंचाव
- थकान महसूस होना
- त्वचा के अन्य हिस्सों में काले निशान पड़ना
- पैरों के निचले हिस्से में काले निशान पड़ना
- क्या है क्रोनिक वेनस इन्सफीसियंसी

शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों को भी आक्सीजन की जरूरत पड़ती है, जो हार्ट की आर्टरीज में प्रवाहित शुद्ध रक्त के जरिए पहुंचाई जाती है। पैरों को ऑक्सीजन देने के बाद यह आक्सीजन अशुद्ध खून वेन्स के जरिए वापस पैरों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिए जाती है। किसी कारण से अगर इनकी कार्यप्रणाली धीमी हो जाती है तो पैरों का ड्रेनेज सिस्टम खराब हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि ऑक्सीजन रहित अशुद्ध खून ऊपर चढकर फेफड़े की ओर जाने की बजाए पैरों के निचले हिस्से में जमा होना शुरू हो जाता है, जिससे आपको यह बीमारी हो जाती है।

स्त्रियों को हो सकती है समस्या

वैसे तो यह बीमारी किसी को भी हो सकती है लेकिन 30 वर्ष से अधिक उम्र वाली औरतों में क्रोनिक वेनस इन्सफीसियंसी की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। ज्यादातर स्त्रियों में गर्भावस्था के दौरान या डिलिवरी के बाद इसके लक्षण दिखाई देते हैं। इसे दूर करने के लिए वह मालिश और घरेलू उपचार तो कर लेती हैं लेकिन ये इलाज इस बीमारी को खत्म नहीं करता। इससे सिर्फ पैरों को आराम मिलता है। दिनोंदिन बिगड़ते लाइफस्टाइल के चलते महिलाओं में सीविसी की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। लगातार खड़े होकर लकाम करना, घंटों डेस्क पर बैठकर काम करना और शारीरिक गतिविधियां का कम होने के कारण भी महिलाएं इसकी चपेट में जल्दी आ जाती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

1. अपने पैरों और कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। इसके अलावा ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का प्रयोग कतई न करें। इससे अशुद्ध खून की वापसी में रुकावट पैदा होती है।
2. वेनस इन्सफीसियंसी से ग्रस्त महिलाओं को स्किपिंग, एरोबिक्स या उछल-कूद वाली एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। इस तरह के व्यायाम, उनकी वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाए नुकसान पहुंचाते हैं।
3. बगैर झटका दिए पैर उठाने व मोड़ने वाले व्यायाम नसों के लिए फायदेमंद हैं। इसके अलावा नियमित मॉर्निंग वॉक करें। यह सबसे आसान और फायदेमंद एक्सरसाइज है। इससे पैरों से ऊपर की ओर वापस जाने वाले रक्त का प्रवाह तेज हो जाता है, जो व्यक्ति को इस समस्या से बचाता है।
4. रात को सोते समय पैरों के नीचे तकिया लगा लें। इससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें और पैरों में ऑक्सीजन रहित खून के जमा होने की प्रक्रिया धीमी हो जाएगी।
5. ऑफिस या घर में ज्यादा समय तक पैर लटकाकर बैठना भी आपके लिए खतरनाक है। ऐसे में या तो आप पैरों के नीचे कोई स्टूल रख लें या लगभग हर 2 घंटे में ब्रेक लें और सीट से उठकर टहलें।
6. भोजन में तेल और घी का कम इस्तेमाल करें और मसालेदार भोजन भी न करें। इस बीमारी से ग्रस्त महिलाओं को कम कैलोरी वाला रेशेदार खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा अपने वजन को कंट्रोल में रखें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत की 'थलाइवी' में कुछ ऐसा होगा भाग्यश्री का किरदार

पिछले काफी समय से चर्चा है कि अपनी पहली ही फिल्म 'मैंने प्यार किया' से बॉलिवुड में धमाका मचाने वाली भाग्यश्री जल्द ही बड़ा कम बैक कर सकती हैं। पहले कहा जा रहा था कि वह फिल्म '2 स्टेट्स' के साउथ रीमेक में काम करेंगी मगर यह फिल्म शुरू नहीं हो सकी। इसके बाद भाग्यश्री ने 2 बड़ी फिल्में साइन की हैं। पहली फिल्म तो प्रभास और पूजा हेगड़े की 'राधे श्याम' है लेकिन दूसरी फिल्म की जानकारी नहीं थी। अब इसका खुलासा हो गया है। खबर के मुताबिक, भाग्यश्री ने कंगना रनौत के लीड रोल वाली फिल्म 'थलाइवी' साइन की है। इस फिल्म में कंगना तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में भाग्यश्री एक महत्वपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। रिपोर्ट की मानें तो जयललिता की बायॉपिक में भाग्यश्री का किरदार उनकी मां वेधा का होगा जिन्होंने फिल्मों में काम करते हुए अपना नाम सपना रख लिया था। जयललिता की मां उनके शुरूआती जीवन से हमेशा उनके लिए काफी महत्वपूर्ण रही थीं। फिल्म में भी भाग्यश्री के इस किरदार को काफी सशक्त बनाया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फिल्म में जयललिता के बचपन से लेकर राजनीति में शिखर तक पहुंचने का सफर दिखाया गया है। इसलिए भाग्यश्री का किरदार और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। भाग्यश्री ने अपने किरदार के बारे में तो कुछ ज्यादा नहीं बताया है लेकिन इतना जरूर बताया है कि उनके ज्यादातर सीन केवल कंगना के साथ हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि भाग्यश्री का किरदार मजबूत होगा।

दीपिका पादुकोण ने बताया- सबसे पहले क्या करेंगी लॉकडाउन के बाद

दीपिका पादुकोण ने बताया- सबसे पहले क्या करेंगी लॉकडाउन के बाद बॉलिवुड की टैलेंटेड ऐक्ट्रेस पिछले काफी समय से अपने पति रणवीर सिंह के साथ सेल्फ क्वॉरेंटीन हैं। हालांकि भले ही दीपिका घर में कैद हों लेकिन वह सोशल मीडिया पर लगातार ऐक्टिव हैं। वह सोशल मीडिया पर अपने फैन्स बातचीत भी करती रहती हैं। हाल में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक क्वेश्चन ऐंड आंसर सेशन रखा जिसमें फैन्स ने दीपिका से कई मजेदार सवाल पूछे। इंस्टाग्राम पर इस सेशन में एक फैन ने दीपिका से पूछा कि वह लॉकडाउन के बाद क्या-क्या करने वाली हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह सबसे पहले अपने पैरंट्स और बहन से मिलने बेंगलुरु जाएंगी। एक फैन ने दीपिका से पूछा कि उनके 'अजीब टैलेंट्स' क्या हैं? इसके जवाब में दीपिका ने कहा कि यह बात उनके पति रणवीर सिंह और उनकी बहन से पूछी जानी चाहिए। दीपिका ने यह भी कहा कि इन दोनों के पास निश्चित तौर पर कुछ बताने के लिए ऐसे टैलेंट्स होंगे।

नेपोटिजम पर सोहा अली खान ने कहा, ऑडियंस को फिल्म देखकर ऐक्टर्स को करना चाहिए सपॉर्ट

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलिवुड में नेपोटिजम को लेकर बहस छिड़ी हुई है। इंडस्ट्री के कई लोग सामने आए हैं, जिनका कहना है कि नेपोटिजम ने उनकी लाइफ और करियर को प्रभावित किया है। हाल ही में ऐक्ट्रेस सोहा अली खान ने एक न्यूज पोर्टल से नेपोटिज्म को लेकर बात की। सोहा अली खान ने कहा है कि नेपोटिजम और बराबर के अवसर देने जैसी बातें पिछले महीने से शुरू हुई हैं। नेपोटिजम का अस्तित्व भी है। और ये फिल्म इंडस्ट्री या भारत में नया नहीं है। यहां एक व्यक्ति कई सवाल पूछता है, तो उन सवालों से कई और सवाल पैदा हो जाते हैं, पर जवाब नहीं मिलता। हालांकि अच्छा है कि ऐसे सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसी चीजों को प्रोत्साहित भी करना चाहिए। ऑडियंस को ऐक्टर्स की फिल्म देखकर उनका सपॉर्ट करना चाहिए। वैसे भी उन्हें फिल्मों की ताकत में यकीन है। सोहा अली खान जब से एक बेटी की मां बनी हैं तब से वह कम फिल्मों में नजर आई हैं। उनकी बेटी इनाया बॉलिवुड की चर्चित स्टार किड्स में से एक हैं। आए दिन सोहा और उनके पति कुणाल खेमू अपनी बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।